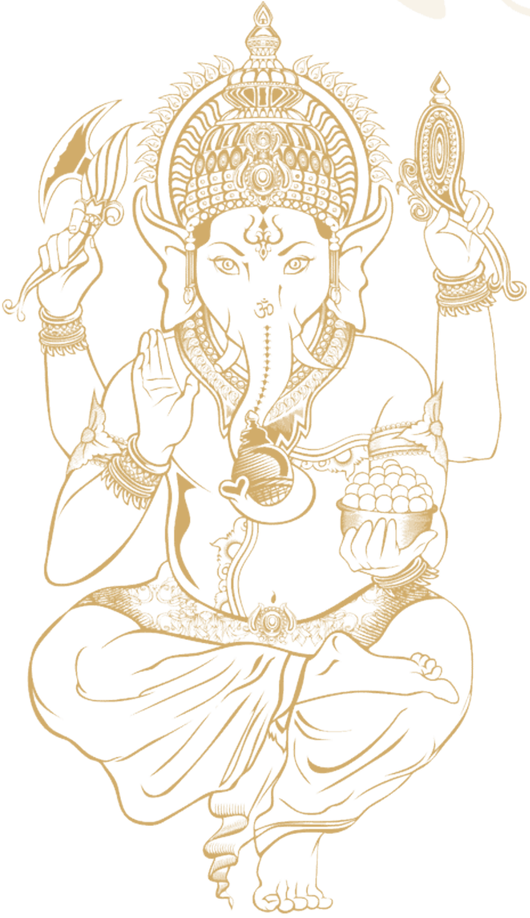

Vimla

11 May 2002

03:36 PM

Sarangarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 119862302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/05/2002**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**15:36:00 घंटे**
इष्ट	25:37:30 घटी
स्थान	**Sarangarh**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	21:38:00 उत्तर
रेखांश	83:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:38:36 घंटे
वेलान्तर	00:03:38 घंटे
साम्पातिक काल	06:54:42 घंटे
सूर्योदय	05:20:59 घंटे
सूर्यास्त	18:26:54 घंटे
दिनमान	13:05:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	26:39:28 मेष
लग्न के अंश	18:48:31 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सौभाग्य
करण	चतुष्पाद
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीना
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	18:48:31	334:06:18	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			मेष	26:39:28	00:57:59	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	उच्च राशि
चंद्र			मेष	15:00:57	12:12:59	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृष	24:47:59	00:40:02	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	सम राशि
बुध			वृष	15:18:41	00:21:55	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	18:47:28	00:10:34	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	25:07:06	01:12:25	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	स्वराशि
शनि			वृष	20:51:54	00:07:21	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	24:06:29	00:03:48	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	24:06:29	00:03:48	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	04:44:35	00:01:06	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप			मक	17:05:42	00:00:04	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:04:36	00:01:23	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	18:41:40	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:06

लग्न-चलित

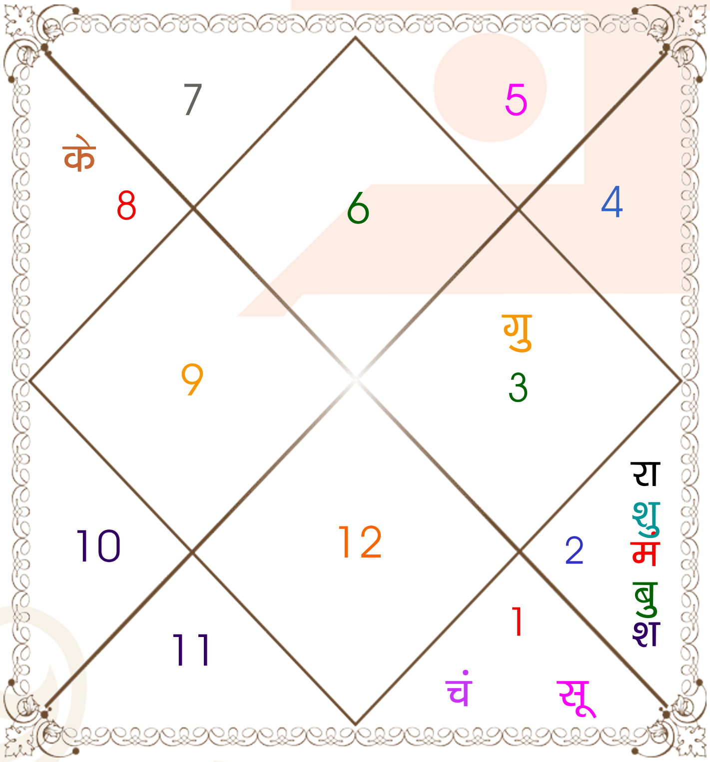

चन्द्र कुंडली

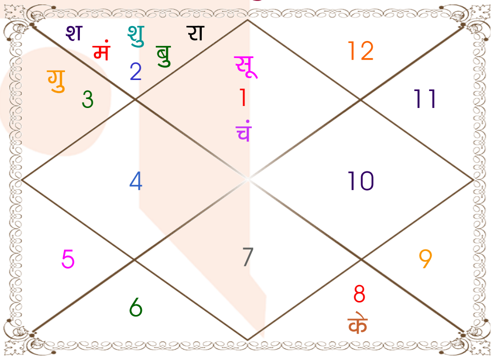

नवमांश कुंडली

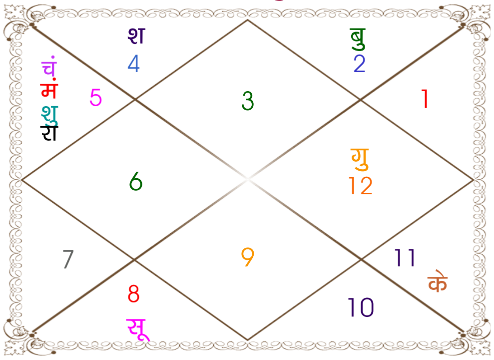

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 5 मास 21 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
11/05/2002		01/11/2019		01/11/2025		01/11/2035		01/11/2042	
01/11/2019		01/11/2025		01/11/2035		01/11/2042		01/11/2060	
शुक्र	03/03/2003	सूर्य	19/02/2020	चंद्र	01/09/2026	मंगल	30/03/2036	राहु	14/07/2045
सूर्य	02/03/2004	चंद्र	20/08/2020	मंगल	02/04/2027	राहु	17/04/2037	गुरु	08/12/2047
चंद्र	01/11/2005	मंगल	25/12/2020	राहु	01/10/2028	गुरु	24/03/2038	शनि	14/10/2050
मंगल	01/01/2007	राहु	19/11/2021	गुरु	31/01/2030	शनि	03/05/2039	बुध	02/05/2053
राहु	01/01/2010	गुरु	07/09/2022	शनि	02/09/2031	बुध	29/04/2040	केतु	21/05/2054
गुरु	01/09/2012	शनि	20/08/2023	बुध	31/01/2033	केतु	25/09/2040	शुक्र	21/05/2057
शनि	01/11/2015	बुध	26/06/2024	केतु	01/09/2033	शुक्र	25/11/2041	सूर्य	14/04/2058
बुध	01/09/2018	केतु	01/11/2024	शुक्र	03/05/2035	सूर्य	02/04/2042	चंद्र	14/10/2059
केतु	01/11/2019	शुक्र	01/11/2025	सूर्य	01/11/2035	चंद्र	01/11/2042	मंगल	01/11/2060

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
01/11/2060		01/11/2076		01/11/2095		02/11/2112		02/11/2119	
01/11/2076		01/11/2095		02/11/2112		02/11/2119		00/00/0000	
गुरु	20/12/2062	शनि	04/11/2079	बुध	30/03/2098	केतु	31/03/2113	शुक्र	12/05/2122
शनि	02/07/2065	बुध	15/07/2082	केतु	27/03/2099	शुक्र	31/05/2114		00/00/0000
बुध	08/10/2067	केतु	23/08/2083	शुक्र	26/01/2102	सूर्य	06/10/2114		00/00/0000
केतु	13/09/2068	शुक्र	23/10/2086	सूर्य	03/12/2102	चंद्र	07/05/2115		00/00/0000
शुक्र	15/05/2071	सूर्य	05/10/2087	चंद्र	03/05/2104	मंगल	03/10/2115		00/00/0000
सूर्य	02/03/2072	चंद्र	05/05/2089	मंगल	30/04/2105	राहु	20/10/2116		00/00/0000
चंद्र	02/07/2073	मंगल	14/06/2090	राहु	18/11/2107	गुरु	26/09/2117		00/00/0000
मंगल	08/06/2074	राहु	20/04/2093	गुरु	23/02/2110	शनि	05/11/2118		00/00/0000
राहु	01/11/2076	गुरु	01/11/2095	शनि	02/11/2112	बुध	02/11/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 5 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय हैं तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित महिला हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी महिला है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आती परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपके पति बुद्धिमान हैं तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकती हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपको अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्यारम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकती हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकती हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें।

आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की

आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति की प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करती रहती हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहती हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप सप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार, एवं शनिवार के दिनों को छोड़कर शेष सोमवार, बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार का दिन आपके मुख्य एवं महत्वपूर्ण कार्यों के सम्पादन हेतु पूर्ण अनुकूल हैं।